कृष्ण जन्माष्टमी - 4 सितम्बर 2026

लक्ष्य सिद्धि 'क्लीं' साधना

लक्ष्य भेदन - सम्मोहन साधना ही जीवन की वास्तविक साधना है, अपनी प्रबल इच्छा को सर्वप्रथम स्पष्ट करें। तत्पश्चात् लक्ष्य निर्धारण के लिये कर्मशील हों।

लक्ष्य भेदन सम्मोहन साधना ही जीवन की महत्वपूर्ण साधना है, क्योंकि जब तक जीवन में कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं होता है मनुष्य के मन में कई इच्छाएं उत्पन्न होती हैं और समाप्त हो जाती हैं और ऐसा केवल एक बार नहीं होता यह प्रक्रिया चलती रहती है। अतः अपनी प्रबल इच्छा को सर्वप्रथम स्पष्ट करें तत्पश्चात् लक्ष्य निर्धारण के लिये क्रियाशील हों। यदि जीवन में लक्ष्य ही निर्धारित नहीं कर पा रहे हैं अथवा स्वय पर संशयों और संदेहों की भरमार है तो एक बार अवश्य सम्पन्न करें - श्रीकृष्ण **'क्लीं'** साधना।

इस साधना को सम्पन्न करने के लिये कोई कठिन साधना विधान नहीं है। इस साधना हेतु सबसे महत्वपूर्ण प्राणप्रतिष्ठित साधना सामग्री है। इस तंत्र प्रयोग के लिए आपके पास तीन साधना सामग्री के रूप में आवश्यक हैं - **श्रीकृष्ण यंत्र, लक्ष्य सिद्धि गुटिका** तथा **लक्ष्य सिद्धि माला।**

'लक्ष्य सिद्धि क्लीं साधना' कृष्ण जन्माष्टमी 4 सितम्बर 2026 अथवा किसी भी शुभ मुहूर्त या किसी भी शुक्रवार से आरंभ की जा सकती है।

साधक प्रातः स्वच्छ वस्त्र धारण कर, पूर्व की ओर मुख कर बैठ जाएं। अपने सामने बाजोट पर गुरु चित्र/पादुका/गुरु यंत्र का स्थापन कर गुरुदेव का पंचोपचार पूजन सम्पन्न करें। गुरु पूजन कर गुरुदेव से साधना में सफलता का आशीर्वाद अवश्य प्राप्त कर लें और गुरु चित्र के सम्मुख ही एक ताम्र पात्र में कुंकुम से त्रिभुज बनाकर उस पर **'श्रीकृष्ण यंत्र'** स्थापित करें। यंत्र के ऊपर ही **'लक्ष्य सिद्धि गुटिका'** स्थापित कर दें।

इसके पश्चात् निम्न मंत्र का उच्चारण करते हुए यंत्र और गुटिका का पंचोपचार पूजन सम्पन्न करें -

ॐ श्रीं क्लीं कृष्णाय लक्ष्य भेदन क्लीं श्रीं हूं फट् कुंकुम, अक्षतान् पुष्पम् समर्पयामि, धुपम् आघ्रापयामि, दीपं दर्शयामि, नैवेद्यं निवेदयामि।

इसके पश्चात् यंत्र के पास तीन आचमनी जल छोड़ दें और निम्न मंत्र का 1 माला जप करें।

ॐ श्रीं क्लीं कृष्णाय लक्ष्य भेदन क्लीं श्रीं हूं फट्

पूजन एवं मंत्र जप के पश्चात् 'लक्ष्य सिद्धि माला' को गले में धारण कर लें। ध्यान अवस्था में सीधे बैठकर कर यंत्र गुटिका पर दृष्टि को एकाग्र रखते हुए श्रीकृष्ण के बीज मंत्र **'क्लीं'** का जप करें -

क्लीं... क्लीं... क्लीं...

त्राटक करते हुए कम से कम 15 मिनट तक मंत्र जप करें। मंत्र जप के पश्चात् उसी स्थान पर आंखें बंद कम से कम 15 मिनट तक पुनः **'क्लीं'** बीज का जप करें। मंत्र जप के पश्चात् माला को गले से निकाल कर यंत्र पर रख दें। तथा अगले दिन सम्पूर्ण साधना सामग्री को जल सरोवर अथवा नदी में प्रवाहित कर दें।

यह साधना लक्ष्य निर्धारण और लक्ष्य सिद्धि के लिये बहुत महत्वपूर्ण है। आप लक्ष्य निर्धारित नहीं कर पा रहे है या लक्ष्य प्राप्ति में निरन्तर बाधाएं आ रही हो, बार-बार लक्ष्य से भटक जा रहे है जिस कारण सफलता नहीं प्राप्त हो पा रही हो उन्हें निश्चय ही लक्ष्य सिद्ध क्लीं साधना सम्पन्न करनी चाहिए। प्राण प्रतिष्ठित साधना सामग्री द्वारा यह साधना सम्पन्न की जाती है तो भगवान श्रीकृष्ण साधक के हृदयस्थल में स्थापित हो उसे सफलता प्रदान करते हैं।

प्राण प्रतिष्ठा न्यौ. - 600/-